Home assignments for KG

हिन्दी

मौखिक - बच्चे बहुत छोटे हैं अत: माता-पिता से सविनय अनुरोध है कि वे "गीतमाला" किताब के ज्यादा से ज्यादा Rhymes बच्चों को बोलकर सिखाएँ, उनकी रूचि और सामर्थ्य के अनुसार उन्हें सस्वर, रोज कविताएँ पढ़ने/सीखने दें।

- उन्हें छोटी-छोटी सरल कहानियाँ सिखाएँ, फिर उन्हें भावपूर्ण तरीके से दुहराने को कहें, जिसमें समय तो लगेगा पर वे छोटे-छोटे वाक्य बोलना सीखेंगे। इसके लिए चित्रों की मदद ली जा सकती है।
- छोटे-छोटे प्रश्नोत्तर सिखाएँ जैसे -
  तुम्हारा नाम क्या है?
  तुम्हारे पिताजी का क्या नाम है?
  तुम्हारी माँ का क्या नाम है?
  हम सबको किसने बनाया है?
- [यहाँ पर आप उन्हें हिन्दी में प्रार्थनाएँ सिखा सकते हैं। प्रार्थना करते समय उनकी आदर-मुद्रा (हाथ जोड़ना/आँखें बंद करना) पर जोर दिया जा सकता है। उच्चारण स्पष्ट एवं शुद्ध हो।
- तरह तरह के बाल-गीत सिखाएँ। ① →

(2). बच्चों के लिए मौखिक-कार्य आवश्यक है अतः घर, आकाश, पानी, पेड़-पौधे, फूल-फल दिखलाकर उनका शब्द भंडार बढ़ा सकते हैं।

- बच्चों के साथ समय बिताएँ, उनके छोटे-छोटे प्रश्नों को सुनें, उनकी जिज्ञासा को शान्त करें — उनके बोलने की क्षमता, आत्मविश्वास बढ़ता जाएगा।
- 'अक्षर-मधुरिमा' किताब के चित्र दिखलाकर वर्णमाला का अभ्यास होगा।

लिखित → नियमित सुलेख-कार्य

- KG में बच्चे स्वर वर्ण/ व्यंजन वर्ण सीखेंगे। वर्णमाला याद करने के साथ ही उन्हें अक्षरों को लिखना है। आरम्भ में ही उन्हें पेंसिल सही तरीके से पकड़ना सिखाएँ ताकि सही grip के साथ उनकी हस्तलिपि शुरू से ही सुन्दर स्पष्ट होती जाए।
- नियमित रूप से बच्चे अपनी सुलेख कापियों में स्वर वर्ण लिखना शुरू कर देंगे। अ आ ------ अं अः तक।
- अभिभावक गण अपनी निगरानी में उन्हें सही पंक्तियों को Touch करके धीरे-धीरे लिखना सिखाएँ।
- KG की सुलेख-कापी में वर्णमाला का सुलेख-अभ्यास कराएँ।

HAPPY EASTER! GOD BLESS You